देव चेतना

हिन्दी मासिक

RNI No. RAJHIN/2013/50503

वर्ष : 13 | अंक : 8 | जयपुर, 5 अक्टूबर, 2025 | मूल्य : 20 रु. | पृष्ठ : 8 | E-mail: devchetnanews@gmail.com

गुर्जर समाज के अभ्युत्थान के लिए एक दिवसीय चिन्तन के निष्कर्ष

ब्यावर। राजस्थान गुर्जर महासभा की एक दिवसीय चिन्तन बैठक ब्यावर के श्रीनाथपुरा में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के विकास के लिये शिक्षा अत्यन्त जरूरी है। सबको इस ओर ध्यान देना होगा। समाज के प्रति त्याग व समर्पण का भाव रखना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता समाजहित में कार्य करे। बैठक के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना ने कहा कि हमें सामाजिक चेतना के साथ-साथ राजनैतिक जागरूकता के लिये भी कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि बोर्ड का अध्यक्ष बनने के बाद पूरे राजस्थान में किये गये प्रवास में पाया कि जितने भी देवनारायण योजना के विद्यालय एवं छात्रावास हैं वहाँ बच्चों की संख्या बहुत कम है। एमबीसी समाज की संख्या बहुत ही कम है। गुर्जर समाज के बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में इन विद्यालयों में प्रवेश दिलाना चाहिये। समाज के लोगों की हर समस्या के समाधान के लिये मैं सदैव तत्पर हूँ। इस अवसर पर महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा ने गुर्जर पूर्वजों के इतिहास की चर्चा करते हुए पूरे प्रदेश के सभी जिलों में संगठन विस्तार के सूत्र रखे। उन्होंने तीन प्रस्ताव भी पेश किये जिन्हें बैठक में सम्मिलित प्रतिनिधियों द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में पारित प्रस्तावों में लम्बे समय से गुर्जर समाज के साथ समय-समय पर एमबीसी आरक्षण को लेकर हुए समझौतों का क्रियान्वयन करते हुए राजस्थान सरकार द्वारा यथाशीघ्र सम्बन्धित पक्षों से चर्चा पश्चात् इस मांग को पूर्ण रूप से लागू किया जाय। लम्बे समय से पुरातत्व विभाग एवं राजस्थान सरकार के पास विचाराधीन गुर्जर आदितीर्थ नागपहाड़ को अतिशय क्षेत्र घोषित करने एवं यात्रियों के नागपहाड़ पर जाने के लिये सड़क मार्ग बनाये जाने तथा भगवान श्री देवनारायण सवाईभोज एवं साढूमाता का स्मारक बनाये जाये। एक अन्य प्रस्ताव में देवनारायण बोर्ड के गठन एमबीसी समाज के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य को पूरा करने के लिये देवनारायण बोर्ड को पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की जाये। देवनारायण बोर्ड के बजट में वृद्धि की जाये जिससे देवनारायण बोर्ड द्वारा एमबीसी समाज को शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान के लिये एस.टी. के समकक्ष सुविधाएँ उपलब्ध करवाया जाना संभव हो सके।

महासभा के प्रदेश महामंत्री छीतरलाल कषाणा ने कहा कि हमें ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ समाज तक उनकी जानकारी पहुँचाने के लिये कार्ययोजना बनानी चाहिये।

शैतान सिंह गुर्जर ने इतिहास में गुर्जर समाज के पुनरावलोकन को दृष्टिगत रखते हुए गुर्जर इतिहास साहित्य एवं भाषा शोध संस्थान द्वारा संकलित 850 पुस्तकों के सम्बन्ध में उदाहरण सहित जानकारी प्रस्तुत की।

अजमेर संभाग अध्यक्ष कानाराम गुर्जर, ब्यावर जिलाध्यक्ष बुद्धाराम गुर्जर, महामंत्री ऋषिकेश गुर्जर ने आगन्तुक अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया।

अखण्ड भारत गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवनारायण गुर्जर ने राष्ट्रीय स्तर पर भगवान श्री देवनारायण के द्वारा दिये गये सामाजिक समरसता के सन्देश को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रहलाद सिंह अवाना ने महासभा द्वारा समाज हित में किये कार्यों का उल्लेख करते हुए आरक्षण आन्दोलन का विश्लेषण किया। युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष गौरव गुर्जर ने 31 अक्टूबर सरदार पटेल जयन्ती के अवसर पर जयपुर में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति बैठक के बारे में जानकारी दी।

चिन्तन बैठक में प्रदेश मंत्री लक्ष्मण गुर्जर, प्रदेश प्रवक्ता लीलाराम गुर्जर, पूर्व प्रदेश मंत्री हरजीराम गुर्जर, जोधपुर संभाग अध्यक्ष देवकरण गुर्जर, चित्तौड़ जिलाध्यक्ष मांगीलाल बुगार, अजमेर जिलाध्यक्ष भंवरलाल गुर्जर कोटा जिलाध्यक्ष बी.एल. गोचर, उदयपुर संभाग अध्यक्ष नाथूलाल गुर्जर, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष मनोहर लाल गुर्जर, पाली जिलाध्यक्ष गोवर्धन चाड़, शंकर लाल गुर्जर, जिलाध्यक्ष भीलवाड़ा, लेखपाल गुर्जर कार्यकारी अध्यक्ष जिला अजमेर ने भी बैठक में अपने विचार रखते हुए सभी जिलों में संगठन विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। चिन्तन बैठक के संयोजक कानाराम गुर्जर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजस्थान गुर्जर महासभा उदयपुर संभाग अधिवेशन 11 अक्टूबर को

चारभुजा-उदयपुर। राजस्थान गुर्जर महासभा उदयपुर संभाग प्रभारी नाथूलाल गुर्जर ने बताया कि 11 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से बीकावास माताजी गोमती से आमेट रोड, जिला राजसमन्द में उदयपुर संभाग अधिवेशन आयोजित किया गया है। सम्मेलन राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मन्त्री कालूलाल गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि श्री देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना अधिवेशन का उद्घाटन करेंगे।

अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष प्रहलाद सिंह अवाना, मोहनलाल वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मन्नालाल गुर्जर पूर्व प्रधान, उपाध्यक्ष एवं अखण्ड भारत गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवनारायण गुर्जर, प्रदेश महामंत्री शैतान सिंह गुर्जर, छीतर लाल कषाणा, प्रदेश मंत्री लक्ष्मण गुर्जर, राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गौरव चपराना विशिष्ट अतिथि रहेंगे। अधिवेशन में एमबीसी आरक्षण की विसंगतियों के समाधान हेतु कार्ययोजना का निर्णय लिया जायेगा। उदयपुर संभाग के सभी जिलों में संगठन विस्तार के साथ 20 सितम्बर को ब्यावर में सम्पन्न हुई चिन्तन बैठक में पारित प्रस्तावों का क्रियान्वयन हेतु निर्णय लिये जायेंगे। अधिवेशन में राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य एवं महासभा के सभी जिलाध्यक्ष भाग लेंगे।

दीपावली के पावन पर्व पर
गुर्जर समाज एवं
समस्त देशवासियों को
मूलचन्द चेची (कुट्टी वाला परिवार)
की ओर से
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

सरदार सिंह चेची
जयपुर शहर जिलाध्यक्ष
राजस्थान गुर्जर महासभा

रोहित सिंह चेची
प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष
राजस्थान गुर्जर महासभा
युवा प्रकोष्ठ

पंचदिवसीय दीपोत्सव पर्व पर
होटल विशाल पैलेस
की ओर से
सभी देशवासियों एवं गुर्जर समाज को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

होटल विशाल पैलेस
इमली गेट, झालावाड़ (राजस्थान)
देवकरण गुर्जर 9414596040
प्रदेश संगठन संयोजक- राजस्थान गुर्जर महासभा

पंचदिवसीय दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ
SURESH GURJAR
CHEMISTRY CLASSES
Classes for XI-XII, RPSC I & II Grade

सुरेश गुर्जर
जिला उपाध्यक्ष
राजस्थान गुर्जर महासभा, कोटा एवं
महासचिव- हाड़ौती गुर्जर महासभा कोटा

1-A-55, Mahaveer Nagar-III, Kota (Raj.) 7023754101

पंचदिवसीय दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ
अनुराग हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

Dr. B.L. Gochar
M.B.B.S., M.S.

जिलाध्यक्ष-राजस्थान गुर्जर महासभा, कोटा
अध्यक्ष- हाड़ौती गुर्जर महासभा, कोटा
संभाग संरक्षक- गुर्जर कर्मचारी-अधिकारी कल्याण परिषद्

OPEN 24 HOURS

7C, 34, Mahaveer Nagar-III, Housing Board Colony,
Kota, Rajasthan-324005
Phone: 0744 247 8725 • Mob. 8490865700

खानपुर विधायक श्री सुरेश गुर्जर के जन्मदिवस एवं
देश-प्रदेश वासियों को पंचदिवसीय दीपोत्सव
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

सुरेश गुर्जर
विधायक
खानपुर (झालावाड़)

शुभेच्छु
श्याम खटाणा गुर्जर
पूर्व जिलाध्यक्ष/संयोजक
झालावाड़ जिला
राजस्थान गुर्जर महासभा

पंचदिवसीय दीपोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ
सियाराम
प्रोपर्टीज & कंस्ट्रक्शन

तुफान सिंह गुर्जर
8003363999, 9785472258
कार्यकारी अध्यक्ष, जिला झालावाड़ राज. गुर्जर महासभा

झालावाड़ व झालरापाटन
में कृषि भूमि पर प्लाट,
कन्वर्ट व नॉन कन्वर्ट
मकान व प्लॉट, प्रोपर्टी
खरीदने व बेचने हेतु
सम्पर्क करें।

झालरापाटन में लंका गेट, सुनेल रोड, इन्दौर रोड, सूरजपोल गेट
पशुपतिनाथ के आस-पास, सेटेलाइट हॉस्पिटल के पास

झालावाड़ में (प्रतीक जैन 8104935725) हल्दीघाटी रोड, सब्जीमंडी के पास, समर्पण हॉस्पिटल के पीछे

सुनेल में जोनपुर चौराहा, झालरापाटन रोड पर

कन्वर्ट व नॉन कन्वर्ट प्लाट, मकान खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें
किराए पर उपलब्ध JCB, L&T, कुआं खोदने के लिये डम्पर उपलब्ध है।
Mob. 8104935725, 9166632572
पता : पशुपतिनाथ मंदिर के पास, इन्दौर रोड, झालरापाटन, जिला झालावाड़

गुर्जर जाग जा रै... गुर्जर जाग जा रै...

गुर्जर आत्म देव चेतना ज्योतिर्मय चिदानन्दमय ईंटों में श्याम दर्शन

गुर्जर लोक संस्कृति में श्री देवनारायण फड़ ईंट पाट्ज्योति प्रतीक आध्यात्म में ललित कलाओं का महत्व प्रतिष्ठित है।

श्री देवनारायण चित्रपट कला का उद्गम और विकास प्रतिपादित करता है कि मानव जीवन में ललित कलाओं का संबंध मनुष्य के मानसिक विकास से है। इस कला के अंतर्गत वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला, संगीत कला और काव्य कला प्रतीक प्रेम धुन अनहद नाद शब्द ब्रह्म प्रतीक सब रसरंग संसार चित्रण और प्रतीकार्थ प्रबोध रूप अखंड शकार्य गुर्जर लोक जीवन वार्ता शैली में लोक वार्ता विज्ञान के अध्ययन की विषय वस्तु है। लोकवार्ता सुनने का आनंद केवल श्री देवनारायण चित्रपट प्रतीक लोक वार्ताकारों को ही नहीं वरन् इन के श्रोताओं को भी प्राप्त होता है।

चतुर्भुज नारायण बगड़ावत चौहान कुल भाट छोछू द्वारा श्री देवनारायण चित्रपट के प्रतीकों का अंकन अपनी अंत: प्रेरणा के बल पर ,संपूर्ण मानवीय जीवन के भावों के सजीव बना देने की सामर्थ्य रखता है।

गुर्जर वंश सूर्य, चंद्र, अग्नि, प्रतिहार, चालुक्य, सोलंकी, परमार, पंवार, चौहान, कसाणा आदि अनादि जुगादि, गुर्जर लोक जीवन का चित्रण बगड़ावत गुर्जर भारत की जीवंत सत्य घटनाओं का चरित्र अंकन दिखाया गया है, वह यथार्थ में गुर्जर लोक जीवन गीता के रूप में लोक समाज में प्रतिष्ठित हैं।

विद्वान लेखक हरद्वारी लाल शर्मा की मान्यता है कि लोक वार्ता में लोकतंत्र का तत्व दर्शन बीज रूप अंकुरित है। लोकतंत्र का आधार स्तंभ लोक है।

इतिहास में लोकतंत्र की संकल्पना और लोकवार्ता तथा लोक मानस को वैज्ञानिक विधि से समझने का प्रयास साथ साथ ही प्रारंभ हुआ प्रतीत होता है। लोकतंत्र मूलत: धार्मिक नहीं है। इस का उद्गम और विकास लोक जीवन की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों में हुआ है। श्री देवनारायण चित्रपट लोक वार्ता में शकार्य गुर्जर लोक संस्कृति की मूल प्रेरणा विकास और विस्तार की शक्तियों और अंतत: अपनी ही धर्म व्यवस्था ,विश्वास ,मान्यता ,निष्ठा, आस्था, कला और संस्कृति आदि के मूल स्त्रोतों तक पहुंचने का विज्ञान है।

इस प्रकार संस्कृति विज्ञान, नृ विज्ञान, समाज विज्ञान और इन सब के आधारभूत लोकवार्ता विज्ञान का जन्म हुआ। विज्ञान का आधार विचार, तर्क, प्रमाण और प्रत्यय है वही लोक वार्ता विचार की अपेक्षा विश्वास, श्रद्धा, मान्यता और आस्था के सहारे जीवित रहती है।

कहा जाता है कि चित्रपट कला उतनी ही प्राचीन है, जितना शब्द एवं दृश्य प्रतीक चित्रांकन साहित्य। वात्सायन ने अपने कामसूत्र में 64 कलाओं का उल्लेख किया है। लोकजीवन में चित्रकला के लिए प्रेम प्रागैतिहासिक काल से मानव जीवन को ओत प्रोत करता आ रहा है। सिंधु घाटी की सभ्यता में भांडों पर ज्यामिति के चित्रों का रेखांकन मिलता है।आर्य और वैदिक सभ्यता के अंतर्गत जब चित्रकला को विशेष स्थान प्राप्त हुआ उससे बहुत पहले से ही इस भूमि पर चित्रकला अपने विकसित स्वरूप में विद्यमान थी।

जयपुर से प्रकाशित देव चेतना मासिक पत्रिका द्वारा वर्तमान में साहित्य, कला और मीडिया में धर्म संस्कृति के आधार, ईश्वर के नाम पर जो कोलाहल कतिपय राजनीतिक शक्तियों द्वारा मचाया जा रहा है। उससे लोक मानस को सचेत करने के लिए 'गुर्जरोंदय अखंड भारतीय मानव जीवन में कर्म - धर्म दर्शन' के मूल स्वरूप का अनुशीलन भारतीय प्राच्चय विद्याओं के अध्ययन तथा गुर्जरी लोक साहित्य, कला, संस्कृति अभियान के द्वारा प्रारंभ किया गया है।

आक्रांताओं ने तत्कालीन भारतीय धर्म शास्त्रों, भाषा, साहित्य, शिल्प कला एवं सांस्कृतिक प्रतीकों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया था जिनका पुन: सृजन कुषाण, गुप्त ,गुर्जर प्रतिहार, चालुक्य, चौहान राजाओं के शासनकाल में हुआ। इन्हीं के वंशधर बगड़ावतों के समय में पुन: गुर्जर कुलों में बगड़ावत महाभारत युद्ध पश्चात श्री देवनारायण का अवतार हुआ और गुर्जर वंश का उद्धार हुआ।

इसी काल में भारतीय प्राच्चय विद्याओं, धार्मिक, सांस्कृतिक प्रतीकों को जिनमें संस्कृत, प्राकृत, पाली, गुर्जरी अपभ्रंश भाषा के साहित्य एवं लोक जीवन को चित्रांकन शैली में प्रतीकिकृत करवा कर संरक्षित करने का महान कार्य बाबा छोटू भाट द्वारा किया गया, जिसे आज भी वार्ता शैली में कहा जाता रहा है।इसमें गुंजरोदय अखंड भारत का इतिहास ही प्रतीकिकृत नहीं है, श्री देवनारायण फड़ में वर्णित संकेतित कमल पुष्प अवतार प्रतीक ब्रह्माण्ड रचना सहज और जीव सृष्टि तथा ऐश कर्म प्रबोधन भी समाहित है।

रांणी जयमती के 32 भुजा स्वरूप 52 भैरव 64 योगिनी प्रतीक के माध्यम से प्राच्य 32 विद्या एवं 64 कलाओं का भी समावेश है। यह सब गुर्जरी बोली एवं लोक साहित्य में विद्यमान है, आवश्यकता इसके अनुसंधान और प्रकाश में लाने की है।यंत्र मंत्र तंत्र के अतिरिक्त गुर्जर कन्या गायत्री सावित्री विद्या, वेद, पुराण, उपनिषद और गीता यथार्थ धर्म का स्वरूप और मानव जीवन धर्म दर्शन भी इसमें प्रतीकिकृत है। यह भी कहा जा सकता है कि श्री देवनारायण पढ़ में ईश्वर का समूचा प्रतीक दर्शन समाहित है।

तारागढ़ को बेठणो सांभर में है निकाण
गुर्जर धोली डांग का चकवे गोत चौहाण

चौहान गुर्जरों की ऐतिहासिक धरोहर - तारागढ़ दुर्ग (अजमेर)

गुर्जर आदि तीर्थ नाग पहाड़ पुष्कर पर श्री देवनारायण द्वारा मानवता के कल्याणार्थ जो प्रबोधन दिया गया है। जिसे हम परमात्मा प्रेम धर्म स्वरूप मानव जीवन प्राण धन प्रेम कह सकते हैं। क्योंकि जिस धर्म में मर्यादित जीवन और जीवन के प्रति प्रेम नहीं है। वह धर्म मृत और धर्म के नाम पर पाखंड समान है। अखंड भारत धर्म संस्कृति का जो लक्ष्य है ईश्वर और धर्म के सच्चे स्वरूप से हम भटक गए हैं। अखंड भारत धर्म संस्कृति के परम आराध्य सूर्य, चंद्र, अग्नि गुर्जर वंश उद्धारक श्री देवनारायण, धर्म के परम आदर्श मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, योगेश्वर श्री कृष्ण प्रेम धन प्राप्ति स्वरूप है। यह प्रेम ही मानव जीवन का प्रेम धन प्रकाश अंतरंग प्रबोध है। जो श्रीदेवनारायण के लीला चरित्र में चरितार्थ हुआ है हमें इसे विश्वव्यापी प्रसार देना है।

दिव्य प्रज्ञा प्रेम धर्म और ईश्वर के प्रति आस्था के लिए आज दुनिया में जितने धर्म संप्रदाय तथा जीवन दर्शन है आधार सबका एक ही है, पर अनुभव को कहने और जीवन को जीने के अंदाज अलग अलग हैं। यही बात प्रत्येक के व्यक्तिगत पारिवारिक सामाजिक जीवन के संबंध में लागू होती है। परंतु सब के मूल में जीवन जीना और विश्रांति, इस मूल को न जाने क्यों मनुष्य ने धर्म शास्त्रों और ईश्वर के रूपों के नाम पर संप्रदाय धर्म विकसित कर लिए और एक दूसरे के साथ घृणा, शत्रुता और हिंसा तक करने में प्रवृत्त हो गया। जबकि जीवन धर्म ईश्वर का रूप परस्पर प्रेम और आस्था है।

धर्म शास्त्रों, वेदों में जिस वर्णाश्रम विश्रांति का आध्यात्मिक दृष्टि से उल्लेख है, उसे मनुष्य ने स्वयं सामाजिक स्तर पर विकृत कर दिया और स्वयं जीवन के यथार्थ प्रत्यक्ष पथ से भटक कर भ्रमजनित तनावपूर्ण परिस्थितियों में जीने लगा है। लोक आराध्य गुर्जर वंश उद्धारक नारायण ज्योति स्वरूप 11 कला अवतार श्री देवनारायण के मंदिरों में सभी वर्ण जाति संप्रदाय धर्म के लोगों को पूजा-अर्चना और सेवा का अधिकार, आज से नहीं 1000 वर्ष पूर्व से है। श्री देवनारायण अवतार प्रतीक ब्रह्मांड रचना प्रतीकात्मक प्रबोध के लिए प्राच्य विद्याओं पर अनुशीलन एवं गुर्जरी अपभ्रंश भाषा के लोक साहित्य पर देव चेतना पत्रिका के माध्यम से कार्य करने की प्रेरणा शक्ति जागृत हुई। कथन है धर्म एक रहस्ययात्मक अनुभूति है और दिव्य ऊर्जा प्रज्ञा परमात्म प्रेम प्राप्ति है।

श्री देवनारायण का अखंड भारत वर्ष के गुर्जरों के लिए संदेश है, देश धर्म संस्कृति और मातृ धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करना गुर्जर पूर्वजों की परम्परा रही है। कवि बालकृष्ण शर्मा ने कहा है-क्यों सदियों से गफलत की नींद सोए हो? अपने पुरखें कनिष्क, नागभट्ट, मीहिरभोज, चालुक्य राजा भीमदेव, जय सिंह सिद्धराज घोघा बापा, सवाई भोज, देवनारायण, पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप, शिवाजी, प्रतापराव, सरदार पटेल, विजय सिंह पथिक के वंशजों अपने स्वरूप को याद करो। उठो जागो! मातृभूमि गुर्जरत्रा पर हुए आक्रमण एवं अत्याचारों का स्मरण करो। अपने पूर्वजों के गौरव को पुर्नस्थापित करने के लिए उठ खड़े हो। क्यों बैठे हो अलग-अलग तडों, खापों में अपने से बिछड़े समूहों को अपनी शिव, सूर्य, दिव्यांश गुर्जर कुल परंपरा में उनकी स्मृतियों को जागृत कर सम्मिलित करो।

देश में तुमने बहुत से संगठन बनाए, व्हाट्सएप फेसबुक पर भी बहुत कुछ जुबानी जमा खर्च कर रहे हो। यथार्थ के धरातल पर आकर अपने वर्तमान अस्तित्व को पहचानो। क्यों तुम सदियों से बिछड़े हुए एक-दूसरे से अनजान बने हुए हो। गुर्जर वीर गुर्जर वंश में राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, कृष्ण, राधा, श्री देवनारायण जैसे महापुरुष दिव्य चेतना रूप अवतरित हुए। उनका स्मरण करो। आजादी के बाद से शिक्षा और रोजगार के लिए आरक्षण मांग रहे हो, पर कभी गुर्जर रेजीमेंट की स्थापना के लिए एकजुट नहीं हुए। अब समय आया है, अब तीर तलवार की लड़ाई नहीं।

अब लोकतंत्र में एकजुटता और शक्ति प्रदर्शन की लड़ाई है। भूलो सारे भेदभाव को एकजुट होकर जनगणना के समय अपने गुर्जर नाम को दर्ज करवाओ। अपनी शक्ति से खुद रूबरू हो कि तुम क्या थे? और आज क्या हो गए हो? किन्होंने क्यों तुम्हारे इतिहास को मिटाने की चेष्टा की। तुम्हारे आस्था स्थलों को तोड़ा, तुम्हें खदेड़ा, पहाड़ों, जंगलों में दर-दर भटके। याद करो श्री देवनारायण के संदेश को। याद करो कुल कल्याणी गुर्जर कन्या गायत्री के प्रताप को।

उठ खड़े हो और आने वाली युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करने के लिए समाज जीवन में व्याप्त कुरीतियों का त्याग करो। समय की पुकार है, देश और धर्म तुम्हारे राष्ट्रहित के लिए बलिदानी गौरवपूर्ण नेतृत्व की बाट जोह रहा है। उठो एक बार फिर से नागभट्ट, मिहिर भोज, सा सिंहनाद कर गुजरत्रा भूमि के नाम को सार्थक करो।

- मोहनलाल वर्मा संपादक देव चेतना मासिक पत्रिका, जयपुर

प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर का प्रवास

प्रतापगढ़।4 अक्टूबर, 2025 को राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री कालूलाल गुर्जर ने एक दिवसीय प्रतापगढ़ जिले का प्रवास किया। मार्ग में स्थान-स्थान पर गुर्जर समाज के लोगों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर के साथ राजस्थान गुर्जर महासभा जिला प्रतापगढ़ अध्यक्ष मनोहर लाल गुर्जर भी साथ रहे। विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर लौटते समय छोटी सादड़ी तहसील के पवित्र स्थल बुलबुला महादेव के दर्शन कर उन्होंने गुर्जर समाज एवं प्रदेशवासियों के सुख-शान्ति की कामना की।

प्रसिद्ध तीर्थस्थल महामाया भंवर माता के दर्शन भी कालूलाल गुर्जर ने किये। पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर का छोटी सादड़ी पहुँचने पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष रामचन्द्र माली व कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण व साफा बंधवाकर स्वागत किया। गुर्जर ने कार्यकर्ताओं से जिले के संगठन की गतिविधियों के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

लोकतंत्र के प्रहरी प्रोफेसर जगदीप छोकर का निधन

भारत राष्ट्र की अपूरणीय क्षति

सृष्टि रचयिता महापुरुषों को किसी विशेष कार्य के लिए पृथ्वी पर भेजता है। ऐसी ही महान विभूति प्रोफेसर जगदीप छोकर भारतवर्ष की लोकतांत्रिक व्यवस्था में आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में स्मरण किए जाएंगे।

राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रदेश वरिष्ठ नागरिक समिति के महामंत्री मोहनलाल वर्मा ने जगदीप छोकर के निधन को राष्ट्र की अपूरणीय क्षति बताया है लोकतंत्र के प्रहरी जगदीप छोकर ने जीवन पर्यंत रेलवे विभाग में अपनी सेवाएं देते हुए उन्होंने विदेश में शिक्षा और कानून के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने चलकर दिखाया कि राजनीतिक जीवन में लोकतंत्र मानवीय जीवन मूल्य आधारित होना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता देश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी पर ही संभव है। आई.आई.एम. के प्रोफेसर रहे छोकर साहब ने अपनी देहदान करके भी यह सिद्ध किया है कि वह अपने जीवन मूल्यों के साथ हमेशा हमारे बीच में रहेंगे।

जीवन पर्यन्त राजनीति में स्वस्थ जीवन मूल्यों को लेकर वे कार्य करते रहे, जनता की ओर से न्यायालय में भी उन्होंने स्वस्थ परंपराओं की स्थापना के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी।

राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा, महामंत्री शैतान सिंह गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष कालू लाल गुर्जर (पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार) ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करने की परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हुए उनके शोक संतप्त परिवार को इस दुखद घड़ी में उनके अभाव को सहन करने की सामर्थ प्रदान करने की प्रार्थना की है।

विलक्षण व्यक्तित्व के धनी प्रो. जगदीप सिंह छोकर के निधन पर देशभर से सामाजिकों के उद्गार सहित भावभीनी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र और चुनावी शुचिता के सबसे बड़े पैरोकार, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) के संस्थापक तथा आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व प्रोफेसर जगदीप सिंह छोकर का निधन सम्पूर्ण समाज के लिए एक गहरी क्षति है। उन्होंने अपने जीवन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को केंद्र में रखकर कार्य किया और भारतीय लोकतंत्र को एक नई दिशा दी।

चुनावी सुधारों, राजनीतिक वित्तीय पारदर्शिता और मतदाता जागरूकता के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। परंतु उनकी महानता केवल सार्वजनिक जीवन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों में भी देहदान का संकल्प लेकर यह सिद्ध कर दिया कि सेवा जीवन के बाद भी निरंतर चलती रहती है।

देहदान उनका ऐसा निर्णय था जो मानवता की सेवा का सर्वोच्च स्वरूप बन गया। यह उनके व्यक्तित्व की संवेदनशीलता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और समाज के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक है।

श्री भगवान दास मंजीत (सहारनपुर)

भारत ने एक ऐसा व्यक्तित्व खो दिया जिसने शिक्षा, ज्ञान और सेवा के माध्यम से समाज को दिशा दी। चुनावी पारदर्शिता में उनकी पहल लोकतंत्र को मजबूत बनाने का ऐतिहासिक कार्य है। प्रकृति और पक्षियों के प्रति उनका प्रेम जीवन की संवेदनशीलता का परिचायक है।

समाज विकास अनुसंधान सभा

उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती के लिए संघर्षरत राहों को रोशन किया। चुनावी बांड्स पर उनकी पहल देश में जागरूकता की मिसाल बनी। उनकी वैज्ञानिक दृष्टि और समाज सेवा की भावना प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

श्री शेषराज पंवार (सहारनपुर)

चुनावी प्रणाली में सुधारों के लिए उनके योगदान को शताब्दियों तक याद रखा जाएगा। उनका देहदान भी मानवहित में उनके समर्पण को प्रकट करता है। व्यथित हृदय से आदरांजलि।

अशोक वर्मा
(सेवानिवृत्त PCS, नोएडा)

उनका योगदान लोकतांत्रिक संस्थानों की रक्षा में अमिट रहेगा। May his soul rest in peace.

डॉ. राकेश राणा (साहिबाबाद)

देहदान जैसे संकल्प ने यह संदेश दिया कि सेवा मृत्यु के बाद भी समाप्त नहीं होती। उनका यह निर्णय असंख्य लोगों को प्रेरणा देगा।

मोहनलाल वर्मा (जयपुर)

वे लोकतंत्र के प्रहरी और मानवीय जीवन मूल्यों के संवाहक थे। उनका देहदान उनके जीवन आदर्शों का निरंतर प्रमाण है। उनका जाना राष्ट्र की अपूरणीय क्षति है।

जगदीश ठेकेदार (मेरठ)

पारदर्शिता और नि:स्वार्थ सेवा का उनका जीवन हर नागरिक के लिए प्रेरणा है। उनके संघर्ष समाज के लिए सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

वीरेंद्र कुमार
(अध्यक्ष, गुर्जर सभा मेरठ)

ADR के संस्थापक के रूप में उनका कार्य लोकतंत्र की रक्षा का महान अध्याय है। गुर्जर सभा उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करती है।

विजेंद्र कसाना (एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट, गाजियाबाद)

वे लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी और सत्यनिष्ठ कार्यकर्ता थे। इलेक्टोरल बॉन्ड्स के खिलाफ उनकी लड़ाई लोकतंत्र को गरिमा देने वाली है। उनका जाना भारत माता के एक सपूत की क्षति है।

डॉ. सूरज सिंह नेगी
(SDM, राजस्थान)

उनका जीवन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

राजीव (उलझन-सुलझन)

उन्होंने मेरे छोटे प्रयासों को भी महत्व दिया और आत्मविश्वास भरते हुए मार्गदर्शन दिया। उनकी प्रेरणा मेरे लिए अमूल्य उपहार है।

चौधरी रघुनाथ सिंह
(पूर्व निदेशक, दूरदर्शन)

लोकतांत्रिक सुधारों से लेकर मानवता की सेवाओं तक उनका योगदान अनुकरणीय है। देहदान जैसे निर्णय से उन्होंने कर्म की सर्वोच्चता का संदेश दिया।

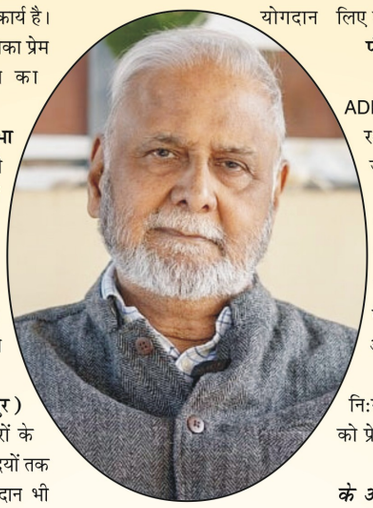

चुनावी सुधारों, राजनीतिक वित्तीय पारदर्शिता और मतदाता जागरूकता के उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। परंतु उनकी महानता केवल सार्वजनिक जीवन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षणों में भी देहदान का संकल्प लेकर यह सिद्ध कर दिया कि सेवा जीवन के बाद भी निरंतर चलती रहती है।

मुस्तफा चौधरी (पत्रकार)

वे समाज के सच्चे सेवक थे। उनकी सादगी और ईमानदारी ने उन्हें आम लोगों के बीच विश्वास का प्रतीक बनाया।

बलबीर सिंह तोमर (पत्रकार)

उनकी नैतिकता और पारदर्शिता पत्रकारिता जगत के लिए भी प्रेरणा रही। देहदान से उन्होंने सेवा की परिभाषा का विस्तार किया।

इशाम सिंह छोकर
(पूर्व SDO, BSNL)

उनकी कर्मठता और लोकतंत्र के प्रति समर्पण हमारे क्षेत्र और समाज के लिए गौरव है। गर्व है कि वे हमारे गाँव से निकले।

डॉ. महिपाल (Retd. Indian Economic Service)

ADR का कार्य लोकतंत्र का मशालची है। उनके प्रयासों ने मेरी शोध यात्राओं को गहराई दी। उनका निधन मेरी व्यक्तिगत क्षति भी है।

हंसराज हंस (टोंक, राजस्थान)

आपको लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में हमेशा याद किया जाएगा।

ओमप्रकाश (पूर्व अधिकारी, केंद्रीय पर्यावरण विभाग)

देश ने एक अमूल्य हीरा खो दिया। उन्होंने लोकतंत्र को जीवंत रखने के लिए जीवन समर्पित किया।

जगदीश सिंह चपराणा
(सामाजिक चिंतक)

वे उन विरले व्यक्तित्वों में थे जिन्होंने नैतिक साहस और सामाजिक प्रतिबद्धता को जीवन का आधार बनाया। उनके आदर्श हमारे पथप्रदर्शक रहेंगे।

मामचंद छोकर (चंडीगढ़)

वे केवल क्षेत्र के ही नहीं, राष्ट्र के व्यक्तित्व थे। उनका जाना देश के लिए बड़ी क्षति है। ॐ शान्ति।

पी.वी. स्वामीनाथ (जनरल सेक्रेटरी, AILU)

ADR के माध्यम से वे लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे। उनका जीवन राष्ट्र का मार्गदर्शक है।

निष्कर्ष : प्रोफेसर जगदीप सिंह छोकर का जीवन शिक्षा, पारदर्शिता, लोकतंत्र और मानवता के लिए समर्पित रहा। उनका देहदान उनके व्यक्तित्व की अंतिम और सर्वोच्च सेवा थी।

वे अपने विचारों, संघर्षों और नि:स्वार्थ कर्म से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

प्रोफेसर जगदीप छोकर साहब के असामायिक देवलोक गमन ने भारतीय प्रजातंत्र के सजग प्रहरी के रूप में एक अमूल्य शख्सियत को खो दिया है।

- डॉ. प्रेम सिंह वर्मा

प्रोफेसर जगदीप छोकर का जन्म हरियाणा के गांव पट्टी कल्याणा निवासी गुर्जर परिवार में चौधरी रघुबीर सिंह जी एडवोकेट, पूर्व तहसीलदार एवं श्रीमती चंद्रकला जी के यहां 25 नवंबर 1944 को हरियाणा के झज्जर में हुआ था। चौधरी रघुबीर सिंह जी एक उच्च स्तरीय समाज सेवी थे और उस समय के समाज के प्रमुख संगठन,अखिल भारतीय गुर्जर समाज सुधार सभा के साठवें दशक में लंबे समय तक कोषाध्यक्ष रहे थे। चौधरी साहब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के पक्षधर थे और उन्होंने परिवार की युवा पीढ़ी को अच्छे शिक्षण संस्थानों में अध्ययन करवाया।

आपकी बड़ी बहन श्रीमती बिमला भारतीय सूचना एवं प्रसारण सेवा में लोक सेवा आयोग से चयनित प्रथम गुर्जर महिला थी और दिल्ली दूरदर्शन के महानिदेशक पद से सेवानिवृत हुई थी। आपके अग्रज ब्रिगेडियर कुलदीप सिंह एवं कर्नल हरदीप सिंह ने भारतीय सेना में अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं।

आपकी धर्मपत्नी डॉ. श्रीमती किरण छोकर पर्यावरण वैज्ञानिक हैं। छोकर साहब ने स्कूली शिक्षा दिल्ली के नामी मॉडर्न स्कूल से ली थी। आपने भारतीय लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एक कठिन प्रतियोगी परीक्षा, स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस उत्तीर्ण कर भारतीय रेलवे में इंजीनियर के पद से अपना कैरियर प्रारंभ किया। सेवा के दौरान ही आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रबंधन में एम.बी.ए. किया। प्रबंधन में ही आपने अमेरिका के प्रसिद्ध लुइसियाना स्टेट विश्वविद्यालय से पी एच डी, डिग्री प्राप्त की। बाद में रेलवे सेवा को छोड़कर आपने देश के विख्यात, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद में शिक्षण कार्य प्रारंभ किया और इस संस्थान से वरिष्ठ प्रोफेसर, डीन एवं कार्यकारी निदेशक पद से सेवानिवृत हुए।

भारतीय प्रजातंत्र शासन प्रणाली में हो रहे गंभीर नैतिक मूल्यों में ह्रास से व्यथित होकर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ए डी आर) की स्थापना, 1999 में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद के प्रोफेसरों के एक समूह द्वारा, आपके सहनेतृत्व में की गई थी। 1999 में, आपने ए डी आर के जरिए दिल्ली हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की थी जिसमें चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की आपराधिक, वित्तीय और शैक्षिक पृष्ठभूमि को सार्वजनिक करने की मांग की गई थी।

इसी आधार पर, सुप्रीम कोर्ट ने 2002 और 2003 में, चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों के लिए चुनाव आयोग के समक्ष हलफनामा दायर करके चुनाव से पहले अपनी आपराधिक, वित्तीय और शैक्षिक पृष्ठभूमि का खुलासा करना अनिवार्य कर दिया। इसी संगठन के प्रयास से विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के लिए इकट्ठे किए गए धन की सूचना, विशेष तौर पर इलेक्टोरल बॉण्ड की सूचना जनसाधारण को उपलब्ध कराने वाले महत्वपूर्ण निर्णय भी हैं। इसके लिए उन्होंने सेवानिवृत्ति के पश्चात एल.एल.बी. किया ताकि कानूनी याचिकाओं की स्पष्ट जानकारी प्राप्त कर, अपनी खुद पैरवी भी कर सकें। वे चाहते तो किसी उच्च पद पर नियुक्त हो सकते थे। पर उन्होंने अपना समय चुनाव प्रक्रिया एवं प्रजातंत्र प्रणाली को बेहतर बनाने वाले महत्वपूर्ण विकल्पों के समावेश हेतु लगाया ताकि एक निष्पक्ष पारदर्शी एवं उत्तरदायी नेतृत्व जनता को मिले। इसीलिए इन्हें जनता का मुख्य चुनाव आयुक्त भी कहा जाता है। छोकर साहब उत्कृष्ट शिक्षक एवं अध्येता, विधिवेत्ता, चिन्तक, पक्षी प्रेमी तथा एक निर्भीक एवं स्पष्टवादी प्रखर वक्ता रहे। आपने विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में सार गर्भित लेख, मीडिया में उच्च कोटि की बहस एवं व्याख्यानों में सहभागिता की थी। देश विदेश में विभिन्न स्थानों पर आपने अपने व्याख्यानों से जनमानस को लाभान्वित किया है। आपने कई पुस्तकें भी लिखी हैं। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों द्वारा उनके बारे में व्यक्त किए हुए विचार इस बात के प्रमाण हैं कि वे एक उत्कृष्ट सुलझे हुए जागरूक नागरिक थे और देश में ऐसे नेतृत्व के पक्षधर थे, जो भ्रष्टाचार एवं अपराधिक प्रवृत्तियों से मुक्त हो और जनता के प्रति उत्तरदायी हो।

समाज को जीवन पर्यन्त देते ही रहे और अंत में अपनी देह को भी लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज को अध्ययन हेतु दान कर अमर हो गए।

हमारा यह कर्त्तव्य बनता है कि हम उनके द्वारा स्थापित मूल्यपरक राजनीति के उन्नयन में उनके संघर्ष को आगे बढ़ाएं। यही हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बड़े शौक से सुन रहा था जमाना,
तुम ही सो गए दास्तान कहते कहते।

अन्तरंग संस्पर्श अनुभूति और चिन्तन से परे

जहाँ शब्दों से आगे की बात होती है।
जहाँ मन, संवेदना और आत्मा
मिलकर कुछ ऐसा छूते हैं- जिसे सिर्फ
महसूस किया जा सकता है
अनुभूति- जो शब्दों
में नहीं ढलती,
कुछ बातें बस कहने
से नहीं होतीं,
कुछ सच्चाइयाँ, बस
अनुभूत होतीं हैं।
जैसे किसी फूल की
खुशबू,
जिसे शब्द नहीं, साँसें समझती हैं।
अनुभूति-
वो पहली बारिश की छुअन,
वो माँ की चुप्पी में छिपा आशीर्वाद,वो
किसी अपने की नजरों में बेआवाज
हौंसला बनकर उतरती बात।
ना ये किताबों में मिलतीं हैं,
ना भाषणों में बसीं होतीं हैं
ये तो आत्मा की तर्जनी है,
जो मन की भीतरी दीवारों पर
दस्तक देतीं हैं।
कभी ये प्रेम बनकर बहती है,
तो कभी विरह बनकर जलती है।
कभी ध्यान में मौन हो जाती है,
तो कभी आँसू बन आँखों से ढलती है।
अनुभूति-
ना किसी तर्क की गवाही मांगती है,
ना किसी शब्द की।
ये वो सच है जो बस भीतर घटता है,
और फिर जीवन बदल देता है।
जो कहा न जा सके
वही सबसे सच्चा होता है,
और वही
अनुभूति कहलाता है।
क्षितिज और साधना
क्षितिज से परे सत्य है,
मन की जो गहराई है।
ध्यान लगाओ, देखो इसे,
खुलती नई परछाई है।
सपनों की सीमा नहीं,
यह आत्मा का विस्तार है।

डॉ. दक्षा जोशी 'निर्झरा'

साधना से जो मिलता है,
वह जीवन का आधार है।
हर सांस में है प्रार्थना,
हर क्षण में ध्यान लगाओ।
अंधकार से निकलो अब,
प्रकाश को अपनाओ।
क्षितिज नहीं ठहराव है,
यह तो नए रास्ते हैं।
साधना की ये लौ जलाओ,
जैसे चिराग सच्चाई हैं।

शब्द ब्रह्म : शब्द ब्रह्म एक गूढ़ और महत्त्वपूर्ण वैदिक अवधारणा है। यह संस्कृत का शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है-
शब्द = ध्वनि या वाणी
ब्रह्म = परम सत्य, परम चेतना, ब्रह्माण्डीय सत्ता

अर्थ और व्याख्या :

शब्द ब्रह्म का तात्पर्य उस दिव्य ध्वनि या वाणी से है, जिसे ब्रह्म (परम तत्त्व) का स्वरूप या उसकी अभिव्यक्ति माना गया है। यह विचार वेदों और उपनिषदों में मिलता है, खासकर नाद योग, वाक् तत्त्व और तंत्र परंपराओं में।

मुख्य बिंदु : वेदों में- वेदों को अपौरुषेय (मनुष्य द्वारा न रचित) माना गया है। उन्हें श्रुति कहा गया, अर्थात् जो श्रवण (श्रवण या सुनना) द्वारा प्राप्त होता है। वेदों की यह ध्वनि-नाद - ही शब्द ब्रह्म मानी जाती है।

वाक् के चार स्तर - हिन्दू दर्शन में वाणी के चार स्तर बताए गए हैं :

परा वाक् - ब्रह्म से जुड़ी, सर्वोच्च, सूक्ष्मतम ध्वनि

पश्यन्ती - विचार की अवस्था

मध्यमा - अंतर्चेतना में गूंजती वाणी

वैखरी - उच्चारित शब्द (हमारी सामान्य बोलचाल)

शब्द ब्रह्म मुख्यत: परा वाक् और पश्यन्ती के स्तर से संबंधित है।

शब्दो नित्य: - मीमांसा दर्शन में यह विचार है कि शब्द शाश्वत (नित्य) हैं। शब्द स्वयं में सत्ता रखते हैं और ब्रह्म तक पहुंचने का माध्यम हैं।

नाद ब्रह्म - यह विचार कहता है कि नाद (आधि-सूक्ष्म ध्वनि, जैसे ॐ) ही ब्रह्म है।

नादो हि ब्रह्म - ध्वनि ही ब्रह्म है।

आध्यात्मिक महत्त्व : ॐ को शब्द ब्रह्म का प्रतीक माना गया है।

ध्यान, मंत्र, जप आदि में शब्द का प्रयोग आत्मा को ब्रह्म से जोड़ने के साधन के रूप में होता है।

गुरु परंपरा में शब्द के द्वारा ज्ञान का संप्रेषण भी शब्द ब्रह्म का ही कार्य है।

शब्द ब्रह्म को यदि दर्शन के संदर्भ में देखें, तो यह अत्यंत गूढ़ और गम्भीर विषय बन जाता है। विभिन्न दर्शनों- विशेषत: पूर्व मीमांसा, वेदांत, और योग में शब्द और ब्रह्म की व्याख्या अलग-अलग दृष्टिकोणों से की गई है। नीचे इसके दर्शनशास्त्रीय पहलुओं को विस्तार से समझाया गया है :

पूर्व मीमांसा दर्शन
(ऋषि जैमिनी द्वारा रचित)

सिद्धांत : शब्दो नित्य: शब्द नित्य हैं।

मीमांसा दर्शन का मुख्य लक्ष्य वेदों के कर्मकांडों की व्याख्या करना है।

वेदों को अपौरुषेय (मनुष्य-निर्मित नहीं) माना गया है, इसलिए वेदों के शब्द शाश्वत हैं।

शब्द ब्रह्म का अर्थ यहां यह है कि वेद का शब्द स्वयं ब्रह्मस्वरूप है- वह अंतिम प्रामाणिक सत्ता है।

वेद का उच्चारण, स्वर और क्रम में अद्भुत शक्ति है, इसलिए उसे यज्ञ में प्रयोग करने पर फल मिलता है।

यहाँ शब्द ब्रह्म का तात्पर्य है - वेद का शब्द स्वयं एक दिव्य सत्ता है, और उसी के द्वारा धर्म और कर्म का ज्ञान प्राप्त होता है।

वेदांत दर्शन (विशेषत: अद्वैत वेदांत - शंकराचार्य)

सिद्धांत : ब्रह्म सत्यं, जगन्मिथ्या, जीवो ब्रह्मैव नापर:

अद्वैत वेदांत में ब्रह्म को निर्गुण, निराकार, अचिन्त्य, और नित्य माना गया है।

शब्द को वहाँ ब्रह्म तक पहुँचने का साधन माना गया है, स्वयं ब्रह्म नहीं।

ओंकार (ॐ) को शब्द ब्रह्म कहा गया है- वह एक प्रतीक है उस परम सत्ता का।

मुण्डक उपनिषद में कहा गया है :

ओं इत्येतदक्षरं ब्रह्म - यह ओंकार ही अक्षर ब्रह्म है।

ध्यान, जप, और श्रवण (वेद श्रवण) द्वारा शब्द ब्रह्म से परब्रह्म का बोध हो सकता है।

यहाँ शब्द ब्रह्म एक प्रारंभिक साधन है, जो साधक को निर्गुण ब्रह्म की अनुभूति की ओर ले जाता है।

योग दर्शन (पतंजलि)

सिद्धांत : ईश्वर प्रणिधानाद् वा (योगसूत्र 1.23)

पतंजलि योगसूत्र में ईश्वर को विशेष पुरुष कहा गया है - जो क्लेश-कर्म-विपाक से रहित है।

इस ईश्वर का प्रतीक है- प्रणव (ॐ), और इसका ध्यान करना मुक्ति की ओर ले जाता है।

योग में शब्द ब्रह्म = ॐ की ध्वनि, जो ईश्वर का प्रत्यक्ष प्रतीक है।

जप और ध्यान के माध्यम से यह शब्द साधक को आत्मा से जोड़ता है।

यहाँ शब्द ब्रह्म मंत्रात्मक ध्वनि है, जो साधना के द्वारा आत्मबोध कराता है।

न्याय और वैशेषिक दर्शन में इन दर्शनों में शब्द को ज्ञान के साधन (प्रमाण) के रूप में माना गया है- जैसे प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द आदि।

शब्द ब्रह्म की कोई विशेष रूप से आध्यात्मिक व्याख्या नहीं की जाती, परन्तु शब्द को एक प्रमाण के रूप में स्वीकार किया गया है।

सारांश : दर्शन शब्द ब्रह्म का अर्थमीमांसा वेद का शब्द ही ब्रह्म है - शाश्वत, अपौरुषेय, अद्वैत वेदांत शब्द ब्रह्म साधन है- परम ब्रह्म तक पहुँचने का माध्यम योग दर्शन ॐ ही ईश्वर का प्रतीक है- ध्वनि रूप में ब्रह्म न्याय/वैशेषिक शब्द ज्ञान का प्रमाण है- ब्रह्म से नहीं जोड़ा गया। -डॉ. दक्षा जोशी 'निर्झरा'

प्रियतम प्रिया प्रेमिका

बहुत खुश किस्मत होती है वो प्रेमिका,
जैसे राधा रानी,
जिसे सजाया हो उसके प्रियतम ने....
हृदय के अहसासों से
छुआ हो शब्दों के श्रृंगार से....
पोछें हो उसके आँसू
पलकों पर प्रेम भरे चुम्बन से....
रचें हो उसके लिए गीत ?
साँसों के मध्यम तार पर....
और भरी हो उसकी दुनिया
मुस्कानों के उपहार से...
लुटाये हों अपने कुछ अनमोल पल
उस पर बड़े प्यार से...

आराध्या कृष्ण प्रेम

प्रेम की लीला बड़ी न्यारी।
प्रेम सब शास्त्रों पर भारी।
राधा की तुम जो सुनो कहानी
नाम कान्हा के की जिंदगानी
मीरा पी गयी विष का प्याला
ऐसा था उसका गोविंदा आला।
शबरी के राह तकती राम की
राह पायी फिर मोक्ष धाम की।
सुदामा संग प्रेम कान्हा निभाया
दौड़ कर जा गले था लगाया।
प्रेम करो तुम दीन दयाल संग।
जीवन में आये नयी एक तरंग।

- सुरिंदर कौर

सच कहूं!

अंतर्मन अंतरंग तुझसे है!

प्रेम ही प्रेम,
कान्हा को,
अंतर्मन में
प्यार प्रेम दोनों
ज्ञान से आत्मा
की मुक्ति
और प्रेम से आत्मा की तृप्ति
अंतर्मन मंथन रूपी
अंतर्मिलन के साथ,
आकाश में ईश-कृपा से
रसभरी बदरिया बरस रही है
अंतरंग हृदय में प्रेम का,
आनंद का, आल्हादिनी का,
राधे शक्ति का रस झर रहा है
लेकिन यह सब तभी होता है,
इसका अनुभव और इसकी समझ,
तभी आती है, जब ध्यान धरो,
कृष्ण मुरारी का,
गहरे पानी में उतरो।
अंतर्मन मंथन हृदय के
आईने में राधे अपना रूप देखो।
सच कहूं तुझसे है!
अंतर्मन अंतरंग प्रेम ही प्रेम,
राधा और कान्हा का अंतर्मिलन,
भावों से होता है,
प्रकृति के कण-कण में
अनुभव हो सकता है दोनों का प्रेम।

- प्रमिला त्रिवेदी।

कमल पुष्प अवतारी भगवान श्री देवनारायण ज्योति स्वरुप 11 कला अवतार

देवनारायण भगवान् का जन्म विक्रम संवत् 968 का साल में मिति माघ सुदी 6-7 की रात्रि में हुआ था। सुबह सात शनिवार है, जिस वजह से शनिवार बार और 7 सात की तिथि मानी है। जिस समय छोछू भाट जी ने कहा कि-

दोहा :

डूंगर डूंगरियां तो बहुत है,
पर मालासेरी है सिर मोड़ ।

1. गधु, गरूड़ बल्लावटा तो सभी जगह जन्मता है, पर देवनारायण जन्मया च इस ठोर।।

2. गया रूकड़ा के अमर फलै लाग गया। जप गई बात से बात।
सतपुरूषां का सत के कारण आया द्वारकानाथ।।

देवनारायण भगवान के जन्म की रात के 2 बजे का समय था जिस समय आकाश में अपने आप ही आवाज हुई घोर इंद्र गरजे और मेघ बरसे बरसात हुई मालासेरी का पर्वत फट गया जिसमें से पानी निकला पानी में कमल पुष्प निकाला कमल पुष्प में श्री देवनारायण भगवान ने प्रकाश लिया साडू माता ने झोली फैलाई तो पुष्प झोली में आ गया जिसमें देवनारायण भगवान का जन्म हुआ जिस समय भगवान ने ऐसा रूप दिखाया मेघ वर्ण स्वरूप दिखाया चंद्रवर्ण सा मुख दिखाया ।कोमल वरण

राव श्री छोछू भाट जी महाराज

हमारे आराध्य देव भगवान श्री देवनारायण

सा नयन दिखाया चतुर्भुज रूप दिखाया हीरा का सा प्रकाश दिया ।।भुजा पर शंख चक्र गधा पदम सिर पर मोर मुकुट पीतांबर आभूषण गले में वैजयंती माला कानों में कुंडल केसर तिलक नहना नहना गुघरा पैरों में अजगर ऊपर आसान बाशक नाग सेवा में रत्न जड़ित सिंहासन पर बैठकर माता साडू जी और हीरा दासी को दर्शन दिखाया श्री देवनारायण ने जन्म लिया जिस समय दसों दिशाओं का देवता हर्षआया गंधर्व देवता ने नाना प्रकार के बाजा बजाया सभी देवी देवताओं ने आकाश से पुष्पों की वर्षा बरसाई तारागण देवताओं ने भी तारामंडल में अपनी ज्योति को चमकाया इंद्र की परियों ने नाना प्रकार का नाच गाना सुनाया इंद्र देवता ने भी नन्ही नन्ही बूंदो से मेघ बरसाया जिसे ताल तलइया सरोवर नदी नाला भी भर भर के उमंग गए जिसमें कच्छ मच्छ मेंढक चकवा जानवर किलौला करता है उसी वर्षा से मालासेरी डूंगरी हरी भरी हो गई वह पूरी स्वर्ण की हो गई जिन पर फुलवाड़ी फूल गई थी जिन पर भंवरा गूंजार करने लगे थे और और भांती भांती के पक्षी गण मधुर मधुर वाणी से रमगुण गाने लगे उसे पर्वत का पत्थर भी लुढक लुढ़क कर श्याम सुंदर का चरण छू रहे थे नारद ने देव महाराज की आरती उतारी है फिर सभी देवी देवताओं नें घोर घोर शब्दों में जय-जयकार बनाया सब मिलकर बोले देवनारायण भगवान की जय।।

- राम अवतार राव सोनवा
राष्ट्रीय रावश्री छोछु भाट सेवा संस्थान, जयपुर

गुर्जर समाज सामूहिक विवाह आयोजन समिति साधारण सभा की मीटिंग 26 अक्टूबर को चौमोरिया मन्दिर में

जयपुर। सामूहिक विवाह आयोजन समिति गुर्जर समाज जयपुर ने 5 अक्टूबर को समिति कार्यालय में विशेष कार्यकारिणी बैठक आयोजित की। बैठक में 26 अक्टूबर को श्री देवनारायण मंदिर चोमोरिया, कनक घाटी, आमेर रोड पर आयोजित साधारण सभा के एजेंडे और संविधान संशोधनों पर चर्चा हुई। महामंत्री नवरत्न गुर्जर बारवाल ने सभी प्रस्ताव पढ़कर कार्यकारिणी सदस्यों एवं मार्गदर्शक मंडल को अवगत कराया। सभी उपस्थित सदस्यों ने एकमत से प्रस्ताव पारित किए और साधारण सभा के पटल पर रखने हेतु तैयार किया। बैठक में अध्यक्ष गोविंद पोसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कन्हैयालाल छांवड़ी, कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र चौहान, प्रवक्ता संजीव दौराता, कार्यालय मंत्री मुकेश धाभाई, और अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे। अध्यक्ष गोविंद पोसवाल ने धन्यवाद भाषण के साथ सभी को साधारण सभा में आने के लिए आमंत्रित किया।

अन्तरंग संवाद दिव्य प्रेम प्रज्ञा आत्म तृप्ति प्रदाता

आज हम एक बहुत महत्वपूर्ण बात पर चर्चा करेंगे- आखिर हृदय किसी का साथ क्यों चाहता है? क्यों मन, स्नेह, अपनापन और किसी का सहारा खोजता रहता है?

मुख्य भाग : हम सबका जीवन अलग है, लेकिन एक बात हम सब में समान है कि हम खुश रहना चाहते हैं। फिर भी हममें से कई लोग असंतोष, खालीपन और अकेलेपन का अनुभव करते हैं। इसके पीछे कई कारण हैं -

समाज में विषमता, परिवार में तनाव, शिक्षा जो जीवन से जुड़ी नहीं, और रोजमर्रा की भागदौड़।

हम थक जाते हैं, शरीर की जरूरतों को पूरा करने में ही जीवन कट जाता है। धीरे-धीरे मन सूना और बंजर सा महसूस होता है। तभी भीतर से एक आवाज स्वत: उठती है -

'मुझे अपनापन चाहिए, मुझे किसी का साथ चाहिए।'

यह जो प्यास है- यह सिर्फ हमारी नहीं, हर इंसान, हर जीव, हर कण में मौजूद है। यह आदिम प्यास है - युगों से जलती आ रही है। यह प्यास कभी बुझती नहीं, बल्कि हमें आगे बढ़ाती रहती है। यह हमें स्नेह और विश्वास की ओर ले जाती है।

स्नेह का अर्थ : स्नेह सिर्फ शब्द नहीं है। स्नेह है - दिल की सुंदरता,
बिना कहे समझने की शक्ति,
विश्वास का पुल।

जब स्नेह हृदय में बहने लगता है तो हमें ईश्वर का एहसास होता है। हमें हर जगह उसी स्नेह का प्रकाश दिखने लगता है। सूरज की किरणों में, रात की शांति में, हवा की छुअन में- सब जगह वही एक उपस्थिति है। फिर भी हम उसे पहचान नहीं पाते। क्यों? क्योंकि मन उलझा रहता है। अगर हम अपने मन को समझें, अपने निर्णय खुद लें और दूसरों को दोष देना छोड़ दें, तो हम सुख की ओर बढ़ सकते हैं।

समापन : आइए, हम अपने मन को साफ रखें, स्नेह को बढ़ाएं, और दूसरों के साथ विश्वास का रिश्ता बनाएँ। यही रास्ता हमें भीतर की तृप्ति और शांति तक ले जाएगा। *-मोहन लाल वर्मा*

परम आदरणीय श्री मोहनलाल वर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

विनम्रता के सागर हैं,
ज्ञान के प्रकाश,
जिनके चरणों में सदा,
मिलता हमें विश्वास।
संस्कारों की मूरत हैं,
सरलता की शान,
ऐसे वर्मा जी को,
हमारा शत-शत प्रणाम।
आपके स्नेह में है
अपनेपन की मिठास,
आपके मार्गदर्शन से
मिलती हमें आस।

हर दिल में बसती है,
आपकी यह छवि,
जैसे मंदिर में दीप जले,
हर रात और हर दिवस।
आज का यह पावन दिन,
लाया खुशियाँ हज़ार,
सपनों को दें पंख,
मिलें खुशियां बेशुमार।
स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि से
भर जाए जीवन,
ईश्वर करें पूरी आपकी
हर मनोकामना पावन।

आपके जैसा व्यक्तित्व
दुर्लभ ही पाया,
हर दिल ने आपको
श्रद्धा से अपनाया।
आपके जन्मदिवस पर
ये है शुभ कामना,
जन्म-जन्म तक बनी रहे
आपकी ये गरिमा।
शुभ जन्मदिन आदरणीय
श्री मोहन लाल वर्मा जी।
दीर्घायु हों, स्वस्थ रहें, सदा मुस्कुराएं।
-डॉ. दक्षा जोशी 'निर्झरा'

गुर्जर कुल्हड़ और लड्डू संग दशहरे पर देवी पूजा करते हैं

नई दिल्ली। गुर्जर समाज में दशहरा पूजन की परंपरा उतनी ही प्राचीन मानी जाती है, जितनी कि रामायण काल की स्मृतियां। नवरात्रों के मौ दिनों के उपवास के उपरांत यह पूजन विशेष महत्व रखता है। यह अनुष्ठान सिर्फ धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि समाज की एकता और परंपराओं की जीवन झलक भी प्रस्तुत करता है।

- *नवरात्रों के बाद गुर्जर समाज में दशहरा पूजन का है विशेष महत्व*
- *दस कुल्हड़ सजाए जाते हैं, आठ में खील बतासे और दो में आटा और चावल*
- *पूजन स्थल पर लड्डू, दरांती और पानी का लोटा रखने की भी है परंपरा*

समाज से जुड़े हितेंद्र डेढ़ा ने बताया कि दशहरे बाले दिन तड़के ही परिवार के सभी सदस्य स्नान करके पूजा की तैयारियों में जुट जाते हैं। इस अवसर पर छोटी-छोटी कुल दस कुल्हड़ तैयार की जाती है। इनमें से आठ कुल्हड खोल-बतासों से भरी जाती है, जबकि दो कुलहड़ों में अलग-अलग सामग्री रखी जाती है एक में आटा और दूसरे में बाजरा अथवा चावल। इन कुल्हड़ों को पूजा स्थल पर सजाकर रखा जाता है। हर कुल्हड़ पर हल्दी से स्वास्तिक का चिह्न बनाया जाता है। साथ ही पूजन स्थल पर लग दरांती और पानी से भरा लोटा भी रखा जाता है. जो इस परंपरा का अहम हिस्सा होता है। पूजन की शुरुआत देवी की आराधना और नवरात्रों के दौरान बनाई गई मिट्टी की प्रतिमा के सामने की जाती है। प्रतिमा पर खील-बतासों का भोग लगाया जाता है और परिवारजन मिलकर देवी से सुख-समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। इसके बाद खील-बतासों से भरे कुलात प्रसाद स्वरूप घर-परिवार और बच्चों में बांटे जाते हैं। यह प्रसाद आपसी स्नेह और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। आटे और चाबल से भरे दोनों कुल्हड़ों का महत्व थोड़ा अलग होता है। इन्हें पूजा के उपरांत अलग रख दिया जाता है और संध्या के समय देवी प्रतिमा के साथ इन्हें मिट्टी में दबा दिया जाता है। यह प्रक्रिया उसी स्थान पर की जाती है जहां देवी की प्रतिमा को नदी में प्रवाहित किया जाता है। इस रीति का गहरा धार्मिक अर्थ है, जिसमें धरती को अन्न और अनाज समर्पित करने की भावना निहित है।

गुर्जर समाज के लोग मानते हैं कि यह परम्परा त्रेतायुग से निरंतर चली आ रही है। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली-एनसीआर और देशभर में शहरीकरण की तेज रफ्तार के बावजूद भी इस रीति-रिवाज में कोई कमी नहीं आई है। गांवों से लेकर शहरों तक गुर्जर समाज आज भी पूरे उत्साह से दशहरा पूजन करता है। इस परंपरा का एक और विशेष पहलू यह है कि नई पीढ़ी भी इसे बड़े चाव से अपनाती है। यही कारण है कि आधुनिकता और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच भी यह परंपरा आज तक नोवित है। गुर्जर समाज का दशहरा पूजन सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि उनकी सास्कृतिक पहचान का हिस्सा है। फुल्हड़ लड्डू और खील-बतासे आस्था और एकता का प्रतीक माना जाता है।

सांसद प्रत्याशी दामोदर गुर्जर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुशलक्षेम जानी

जयपुर। राजसमंद लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे डॉ. दामोदर गुर्जर ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निवास पर बैंगलुरु पहुंचकर कुशलक्षेम जानी।

डॉ. दामोदर गुर्जर को राष्ट्रीय ध्यक्ष खरगे के अस्वस्थ होने की जानकारी मिली थी इस पर उन्होंने बैंगलुरु पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम जानी। डॉ. गुर्जर ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जल्दी ही स्वस्थ होकर जनता के बीच आकर आम जनता की सेवा में संलग्न होंगे।

अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में क्रीमीलेयर की सीमा को लेकर डॉ. रीना वर्मा का खुलासा

यह पोस्ट सामजिक, शैक्षणिक, आर्थिक रूप से पिछड़ों की एक समस्या या कहिये भ्रम से सम्बंधित है। OBC को आरक्षण मिलने के साथ ही माननीय सुप्रीम कोर्ट ने गैर संवैधानिक क्रीमी लेयर का प्रावधान जोड़ दिया!

Creamelear से तात्पर्य एक ऐसे वर्ग से है जो है तो पिछड़े समाज से लेकिन उनका आर्थिक स्तर सामान्य हो चुका है, अर्थात यह आय से सम्बन्धित शब्द है!

यही से मुख्य सवाल या भ्रम उठता है कि किस आय को कार्मिक मंत्रालय (जो भर्ती सम्बंधी नियम बनाता है, अधियाचन लेता है, भर्ती करता है) क्रीमी लेयर मानता है? ज्यादातर लोगों को ठीक जानकारी नही है! लोगों को छोड़िये, सचिव स्तर के अधिकारी इस माम्मले को या तो समझते नही या फिर जानबूझकर बने रहते हैं!

साल 2016 का मामला हैं- JNU से शोध कर रहे दिव्यांशु पटेल ने 2016 सिविल सेवा परीक्षा में 204 रैंक प्राप्त किया, तब इनको पोस्ट और कैडर न देकर डिबार किया गया।

डिबार का कारण यह था कि.. इनको नॉन क्रीमी लेयर ओबीसी नही माना जा रहा था क्योकि इनके पिता जी प्रमोशन पाकर एसोसिएट प्रोफेसर हो गए थे! संयोग की बात है कि.. इनको डिबार का नोट लगाने वाले उप सचिव जो खुद भी ओबीसी वर्ग के रहे! है न मजे की बात या कहिये कि दुर्भाग्य की बात कि.. OBC वर्ग के उच्च अधिकारियों तक को नही मालूम कि क्रीमी लेयर किसे कहते हैं? यह डिबार फाइल, PM तक पहुंच गई और उनके भी हस्ताक्षर हो गए, मतलब.. इस पूरे process में कोई भी ओबीसी के क्रीमी लेयर को न जाना और.. न समझा या जानबूझकर कर ऐसा किया!

दिव्यांशु, अनुप्रिया पटेल (केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार) से मिले, उनको अपनी व्यथा सुनाई, तब उन्होंने क्रीमी लेयर के नियम समझने के लिए, पूरी फाइल पढ़ी फिर.. उन्होंने कैट में अपील कराई और दिव्यांशु की जीत हुई! फिर कार्मिक मंत्रालय के सचिव से बात करी कि.. आप लोग इतनी ब्लन्डर भूल कैसे कर सकते हो? जबकि किसी वंचित वर्ग के योग्य छात्र के भविष्य का मामला हो? सचिव महोदय ने अपनी गलती तो मान ली लेकिन... प्रधान मंत्री के साइन होने के कारण, अपने हाथ खड़े कर दिये। फिर इन्होंने PM से बात की और उनको कैट का निर्णय बताया।

तब जाकर वंचित वर्ग के छात्र को न्याय मिला।

इस लिए ओबीसी क्रीमी लेयर से संबंधित निम्न तथ्य जान लें :

1. डायरेक्ट क्लास 1 को ओबीसी का लाभ नही मिलेगा।

2. जो कर्मचारी 40 की उम्र के पहले क्लास 1 में शामिल हो गया हो उसको भी ओबीसी का लाभ नही मिलेगा।

3. जो कृषि और वेतन के अलावा किसी भी अन्य पेशे (मेडिकल, लॉ प्रैक्टिस, व्यापार, पत्रकारिता, खेल, एक्टिंग, आदि) से वर्तमान में 8 लाख से ज्यादा आय करता हो उसको भी ओबीसी का लाभ नही मिलेगा।

दिव्यांशु पटेल का मामला दूसरे बिंदु के कारण फंस गया था! इनके पिता थे तो उस समय क्लास 1 लेकिन उनको प्रमोशन 40 की उम्र के बाद मिला था इसलिये ये क्रीमीलेयर में आते नही थे, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही, उदासीनता, अज्ञानता से दिव्यांशु को लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी।

बस... आप अंत में यह जान लीजिए कि... अगर आपकी आय 8 लाख से ज्यादा है तो जरूरी नही कि आप ओबीसी क्रीमी लेयर में आओ ही। अगर आपकी यह आय, वेतन और कृषि क्षेत्र से है तो आप निश्चित रूप से ओबीसी क्रीमी लेयर से बाहर हो और आप ओबीसी आरक्षण के लाभ के लिए पात्र हो!

लेकिन.. अभी सवर्णों को जो EBC के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, इसमें क्रीमी लेयर में मात्र 8 लाख आय से मतलब है, किसी भी पेशे से हो या वेतन से हो! यह ओबीसी के क्रीमी लेयर से भिन्न है!

समय का तकाजा है सभी लोग इस भ्रम से बाहर आयें कि 8 लाख का मतलब क्रीमी लेयर होता है...

- डॉ. रीना वर्मा

नदियों एवं जल के लिये वैश्विक आंदोलन का हिस्सा बने डॉ. राकेश छोकर

विश्व नदी दिवस मनाने और जल संरक्षण को समर्पित रहा आयोजन

नई दिल्ली। विश्व नदी दिवस मनाने और जल संरक्षण प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए वेटलैंड इंटरनेशनल और थ्रस्ट फाउंडेशन (ऑस्ट्रेलिया) के द्वारा प्रायोजित रन ब्ल्यू मुहिम के तत्वाधान में वर्ल्ड रिवर रन का होने वाला एक वैश्विक, 24 घंटे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें दुनिया भर के लोगों को नदियों और जलमार्गों के संरक्षण के लिए दौड़ने, चलने या कोई भी कदम उठाने के लिए आमंत्रित किया गया था।

उक्त वैश्विक आंदोलन में भारत से डॉ राकेश छोकर ने भी अपनी प्रतिभागिता निभाई। यह स्वस्थ नदियों के महत्व को उजागर करने और वैश्विक जल संकट के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक जमीनी स्तर का आंदोलन है।

यह आयोजन हर साल विश्व नदी दिवस पर होता है। प्रतिभागियों को अपने स्थानीय जलमार्गों की रक्षा के लिए एक छोटा सा कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जैसे कूड़ा उठाना, सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करना, या जल-संबंधी परियोजनाओं में दान करना। आयोजक संस्था द्वारा श्री छोकर को प्रतिभागी प्रमाण पत्र के साथ धन्यवाद ज्ञापित कर नदियों और जल संरक्षण हेतु वैश्विक आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए आभार जताया है।

समस्त देश-प्रदेशवासियों को पंचदिवसीय दीपोत्सव के शुभ पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएँ

M/s SHIV STONE INDUSTRIES

Manufacturer & Supplier Rough Polish & Diamond Cut Kota Stone

NH-12, DARAH STATION, DISTT. KOTA

M/S UMA SHANKAR S/O MANNA LAL

Mines Owner & Suppliers Blue & Brown Rough Kota Stone

119, SHOPPING CENTER, KOTA-324007

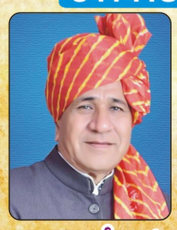

9414188795, 9887212295

शुभेच्छु :

मन्नालाल गुर्जर (पूर्व प्रधान)
प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजस्थान गुर्जर महासभा

उमाशंकर गुर्जर
समाजसेवी

खानपुर विधायक सुरेश गुर्जर के जन्मदिवस एवं देश-प्रदेश वासियों को पंचदिवसीय दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

सुरेश गुर्जर

विधायक
खानपुर (झालावाड़)

शुभेच्छु :

छगन सिंह गुर्जर

विधानसभा खानपुर समन्वयक
पूर्व सरपंच एवं
जिला महासचिव, जिला कांग्रेस झालावाड़
प्रदेश उपाध्यक्ष- राजस्थान गुर्जर महासभा

ISO 9001:2015 CERTIFIED

JAI ASHAPURA HYDRAULICS

Manufacturer of All Type of Hydraulic Lift...

NANJIBHAI GURJAR
MANAGING DIRECTOR
SINCE:2003

INDIA'S LARGEST INDIGENOUS MANUFACTURE OF HYDRAULIC LIFT

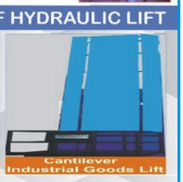

हमारे यह हर प्रकार की हाईड्रोलिक लिफ्ट - हाईड्रोलिक मशीन बनाते- बेचते है और सर्विस भी करते है

sales@jahlifts.com
www.jahlifts.com

FACTORY
Ground Floor, Industrial Gala No.A-05 06 S.No: 26/02,Global Industrial Park Valwada,Vapi Dist: Valsad,Gujarat-396105,

Office No.4, Triveni Apartment, Near Ashirwad Hospital, Behind Dr.Parikh Nursing Home, Chala-Vapi, Gujarat, 396191.

982 418 6890 / 982 473 6730

आशापुरा मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा पंचदिवसीय दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

मेवाड़ उदयपुर संभाग में भव्य मंदिर का निर्माण

खानपुर विधानसभा क्षेत्र/ जिला झालावाड़ एवं देश-प्रदेश वासियों को पंचदिवसीय दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

श्री हंस सप्लायर्स

माइन्स एण्ड स्टोन क्रेशर

ग्राम रुणजी, झालरापाटन रोड
जिला झालावाड़ (राज.)

शुभेच्छु

सूरतराम गुर्जर

जिलाध्यक्ष झालावाड़
राजस्थान गुर्जर महासभा

समस्त गुर्जर समाज एवं देश-प्रदेश वासियों को पंचदिवसीय दीपोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

श्री देव कृष्ण मावा एण्ड दूध डेयरी

शुभेच्छु

हरीशप्रकाश भड़ाना

जिलाध्यक्ष बारां
राजस्थान गुर्जर महासभा
मो. 9929663026

केसर एण्ड कम्पनी

की ओर से आप सभी प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

हमारे यहाँ टाटा सावल 210, जेसीबी 3DX, अजेक्स फ्लोरी, डंपर, अन्य मशीनरी किराये पर दी जाती है एवं कुआं खुदाई का कार्य भी संतोषजनक किया जाता है। सेवा का अवसर प्रदान करें।

शुभेच्छु

बजरंग लाल गुर्जर

(झालावाड़)
प्रदेश संगठन मंत्री
राजस्थान गुर्जर महासभा
मो. 9414403719

हाड़ौती गुर्जर महासभा की अभिनव पहल

कोटा। किशोरपुरा स्थित पद्मनाथ मन्दिर में प्रस्तावित निर्माणाधीन गुर्जर भवन प्रांगण में हाड़ौती गुर्जर महासभा का परम्परागत वार्षिक अधिवेशन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में गुर्जर समाज की 150 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर साहित्य जगत में समाज का गौरव बढ़ाने वाले कवि, लेखक, साहित्यकार मुकुट मणिराज को उनके साहित्य सृजन के लिये प्रशस्ति पत्र एवं महासभा द्वारा प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। महासभा का वार्षिक आय-व्यय का वृत्त कोषाध्यक्ष शिवि भड़क ने प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रस्तावित गुर्जर भवन निर्माण में आर्थिक योगदान देने वाले गुर्जर भामाशाहों का सम्मान किया गया। प्रतिभाओं में 10वीं, 12वीं कक्षा एवं राजकीय सेवाओं तथा अन्य क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। अधिवेशन के मुख्य अतिथि राजस्थान गुर्जर महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मन्नालाल गुर्जर ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज को अन्यान्य क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करने वाली प्रतिभाओं के सम्मान में इस प्रकार के कार्यक्रम एक अभिनव पहल है।

अधिवेशन के अध्यक्ष डॉ. बी.एल. गोचर ने प्रस्तावित गुर्जर भवन निर्माण की कार्ययोजना को प्रतिनिधियों के सम्मुख प्रस्तुत करते हुए महासभा की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रस्तुत की। राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा ने गुर्जर पूर्वजों के इतिहास की जानकारी देते हुए वर्तमान समय में जागरूक रहकर कतिपय शक्तियों द्वारा गुर्जर समाज के समक्ष रखी जाने वाली चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने के लिये समाज के सभी वर्गों को संगठित होने का आह्वान किया। साहित्यकार कवि मुकुट मणिराज ने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। समय-समय पर उनका मार्गदर्शन होते रहना चाहिये।

मंचस्थ राजस्थान गुर्जर महासभा के संभागीय अध्यक्ष रामलाल गुंजल, हाड़ौती गुर्जर महासभा के महामंत्री सुरेश गुर्जर कैमेस्ट्री क्लासेज, राधेश्याम वर्मा, संभव वर्मा, आर.सी. धाभाई, राजस्थान गुर्जर महासभा झालावाड़ जिलाध्यक्ष सूरतराम गुर्जर, प्रदेश महामंत्री छीतर लाल कषाणा, प्रदेश संगठन मंत्री बजरंग लाल गुर्जर, प्रदेश संगठन संयोजक देवकरण गुर्जर, मुख्य अतिथियों ने भी प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश संगठन मंत्री बजरंग लाल गुर्जर ने भवन में एक कमरा निर्मित करवाने की घोषणा की। महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ. बी.एल. गोचर ने आगन्तुक अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

धनवाड़ा श्री देवनारायण मन्दिर में हीरामन जी की ज्योत व गोठ गायन से गुर्जर लोक संस्कृति साकार हुई

झालावाड़। देवनारायण मन्दिर धनवाड़ा पर गुर्जर समाज द्वारा हिरामन जी महाराज की ज्योत एवं गोठ गायन का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जो रातभर चला। हिरामन जी की ज्योत दुर्गालाल गोटियां ने रखी एवं भुणा जी की फूल बत्ती भोपाजी दयाराम कैसरपुरा वाले और सागर गुर्जर ने रखी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सुरेश गुर्जर, राजस्थान गुर्जर महासभा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा, महामंत्री छीतरलाल कषाणा शिवराज सिंह गुर्जर, कालुसिंह गुर्जर, छगनसिंह गुर्जर का स्वागत नेनालाल गुर्जर मंदिर अध्यक्ष श्याम गुर्जर, छगनसिंह गुर्जर ने किया।

इस मौके पर विधायक गुर्जर ने कहा कि इस तरह के आयोजन हर वर्ष होना चाहिए। हमारे समाज की प्राचीन परम्परा है उसको जीवित रखना समाज बन्धुओं का कर्तव्य है। उल्लेखनीय है कि गुर्जर लोक संस्कृति से सम्बन्धित विभिन्न आयोजन एक सकारात्मक पहल है। धनवाड़ा श्री देवनारायण मन्दिर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों यथा हर वर्ष श्री देवनारायण जयन्ती, हर वर्ष सामूहिक विवाह आयोजन एवं मन्दिर के रखरखाव तथा निर्माण कार्यों में राजस्थान गुर्जर महासभा पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। इस मौके पर जगदीश गुर्जर, राकेश गुर्जर, बालमुकुन्द पोसवाल, रजत पटवारी गोविन्द चांदना सहित कई लोग मौजूद रहे।

गुर्जर समाज के गौरव कॉलेज प्राचार्य डॉ. फूलसिंह गुर्जर का अभूतपूर्व सेवानिवृत्ति समारोह सम्पन्न

झालावाड़। डॉ. फूलसिंह गुर्जर का सेवानिवृत्ति समारोह 4 अक्टूबर को झालावाड़ किले में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मोहन लाल वर्मा, महामंत्री छीतर लाल कषाणा, प्रदेश उपाध्यक्ष छगन सिंह गुर्जर, जिलाध्यक्ष सूरतराम गुर्जर, प्रदेश संगठन संयोजक देवकरण गुर्जर, प्रदेश संगठन मंत्री बजरंग लाल गुर्जर ने डॉ. फूलसिंह गुर्जर को राजस्थान गुर्जर महासभा की ओर से साफा एवं शॉल ओढ़ाकर महासभा का प्रतीक चिह्न भेंट करके अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर गुर्जर समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं झालावाड़ के नागरिकों द्वारा स्वागत समारोह में डॉ. गुर्जर के सेवाभावी, समर्पित शिक्षा के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठा के लिये उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएँ प्रेषित की। इससे पूर्व 30 सितम्बर को सेवानिवृत्ति के अवसर पर राजस्थान गुर्जर महासभा के झालावाड़ जिलाध्यक्ष सूरतराम गुर्जर सहित गुर्जर समाज के अन्य प्रतिनिधियों द्वारा महाविद्यालय पहुंचकर डॉ. फूलसिंह गुर्जर को माल्यार्पण के साथ शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

जिला प्रवक्ता पूरी लाल गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. गुर्जर लंबे समय से झालावाड़ कॉलेज में कार्यरत रहे जिससे कॉलेज प्रशासन के साथ तालमेल बिठाकर आम विद्यार्थियों हित में महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही गुर्जर समाज में सामाजिक कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती रही। वर्तमान में प्राचार्य के पद से सेवानिवृत्ति होने पर समाज को गर्व महसूस हो रहा है।

संयोजक श्याम गुर्जर खटाणा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष छगन सिंह गुर्जर ने संयुक्त रूप से डॉ. गुर्जर की कार्यशैली की सराहना की तथा भविष्य में समाज हित में समर्पित रहते हुए समाज का मार्गदर्शन करने हेतु आग्रह किया जिसको डॉ. गुर्जर द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया।

इस विदाई के पलों में समाज प्रतिनिधियों द्वारा वार्तालाप के अंतर्गत कई सामाजिक एवं आमजन हितार्थ बिन्दुओं पर सकारात्मक चर्चा हुई। अंत में डॉ. प्राचार्य द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा भविष्य में उनके लायक किसी भी काम में सहयोग करने का भरोसा दिलाया गया। इस मौके पर कॉलेज स्टाफ भी मौजूद रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक **मोहन लाल वर्मा** के लिए स्काईटैक प्रिन्टर्स, 10, बोराज ठाकुर का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं
म.नं. 3714, कालों का मोहल्ला, कुन्दीगर भैरूं का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक : **मोहन लाल वर्मा** मो. 9782655549 E-mail: devchetnanews@gmail.com